3.1.1 of the Regulations of the Institute, this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, one mamber from among the members of the House, to be a member of the Council of the Indian Institute of Science, Bangalore for the remaining period of the quadrennium 2002—2005 to fill up the vacancy caused due to the retirement of Shri Oscar Femandes from the membership of Rajya Sabha on April 2, 2004.

The Question was put and the motion was adopted.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Re: Flood situation in Bihar

प्रो. राम देव भंडारी (**बिहार**) **:** सभापति महोदय , मैंने एक नोटिस दिया है । कल के " हिन्दुस्तान " में एक खबर छपी हैं । **...** (**व्यवधान**)**....**

श्री सभापति : देखिए , मैंने आपको मना कर दिया था । मैंने कल के लिए कहा है । मैं मिनिस्टर को पूछूंगा , गवर्नमेंट जब रिल्पाई **...** (**व्यवधान**) **....**

प्रो राम देव भंडारी : सभापति महोदय , मुझे दो मिनट का समय दे दिया जाए **...** (**व्यवधान**) **...**

श्री सभापति : नहीं , नहीं यह मत करिए **...** (**व्यवधान**) मैं एलाऊ नहीं करूंगा **...** (**व्यवधान**) **... .**

प्रो . राम देव भंडारी : कल खबर छपी है कि जॉर्ज की कपड़े उतारकर तलाशी ली गई है **....** (**व्यवधान**) यह सवाल जॉर्ज का नहीं है , यह सवाल उस समय के डिफेंस मिनिस्टर का है **...** (**व्यवधान**)**...**

श्री सभापति : यह सिस्टम मैं चलने नहीं दूंगा कि आप जब मरजी खड़े हो जाएं और बोल जाएं , यह गलत हैं । मैं दो मिनट भी नहीं दूगां **...** (**व्यवधान**) **...**

प्रो. राम देव भंडारी : मुझे दो मिनट बोलने दीजिए **...** (**व्यवधान**) **..**

श्री सभापति : मैं एलाऊ नहीं करूंगा **...** (**व्यवधान**) **..**

प्रो. राम देव भंडारी : महोदय , यह देश के सम्मान और अस्मिता का सवाल है **...** (**व्यवधान**)**..**

श्री सभापति : मैं एलाऊ नहीं कर रहा हूं । Nothing will go on record . we will now take up special Mentions . (Interruptions) आप मेरी परमिशन के बिना बोल रहे हैं , यह मैं एलाऊ नहीं करूंगा **...** (**व्यवधान**) **...**

प्रो. राम देव भंडारी : *

श्री सभापति : यह कोई सवाल नहीं है । यह रिकॉर्ड पर नहीं जा रहा है .... (**व्यवधान**)

श्री नीलोत्पल बसु (**पश्चिम बंगाल**) : सभापति महोदय , मैं एक प्रोसीजरल सवाल आपसे पूछता हूं .... (**व्यवधान**) हमारे यहां तो जीरो – आवॅर ... (**व्यवधान**) ..

श्री एस. एस. अहलुवालिया (**झारखण्ड**) : इस विषय पर कोई बहस करा रहे हैं क्या ?

श्री सभापति : नहीं , कोई बहस नहीं हो रही है .... (**व्यवधान**) प्रोसीजर यह है .. (**व्यवधान**) मैं आपको बता दूं , मेरी बात सुन लीजिए ... (**व्यवधान**) एक मिनट बैठिए आप , बैठिए .... (**व्यवधान**) भंडारी जी, आपने सुबह मेरे सामने पेपर रखा था । मैंने कहा था कि मैं सरकार को इसकी सूचना दूंगा । सरकार जिस समय उत्तर दे सकती है, उस समय आपके प्रश्न को रखने की अनुमति दूं या न दूं , इस पर मैं उसी वक्त विचार करूंगा । आपने इस पर हामी भर ली और हामी भरने के बाद भी आप यहां बोल रहे हैं । यह गलत बात है । ..

(**व्यवधान**)

प्रो . राम देव भंडारी : मैंने कहा था कि मैं सरकार से स्पष्टीकरण मांगना चाहूंगा . मैं सरकार से जानना चाहूंगा कि यह जो समाचार आया है ... (व्यवधान)

श्री सभापति : मैं एलाऊ नहीं करूंगा ... (**व्यवधान**) ..

श्री नीलोत्पल बसु : सभापति महोदय , मैं एक सवाल पूछना चाहता हूं ... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : स्पैशल मैंशन ... (**व्यवधान**) देखिए यह अच्छा नहीं है । आप मेरे चेम्बर में क्या बात करते हैं और यहां क्या बात करते हैं , यह उचित नहीं है ... (**व्यवधान**)

प्रो. राम देव भंडारी : यह देश की प्रतिष्ठा का सवाल है .. .. (**व्यवधान**) ..

श्री सभापति : मैं एलाऊ नहीं कर रहा हूं । मैंने आपसे कहा था कि ... (**व्यवधान**) जो प्रॉब्लम है वह ठीक है ... (**व्यवधान**) श्री रवि शंकर प्रसाद जी , आप स्पैशल मैंशन शुरू कीजिए ... (**व्यवधान**) आप लो ग बैठ जाइए , मैं एलाऊ नहीं करूंगा , बिल्कुल एलाऊ नहीं करूंगा ... (**व्यवधान**) मैंने आपसे कह दिया है कि यह न रिकॉर्ड पर जा रहा है , न मैं एलाऊ करूंगा ... (**व्यवधान**) श्री रवि शंकर प्रसाद ... (**व्यवधान**) बोलिए ... (व्यवधान)

श्री रवि शंकर प्रसाद (**बिहार**) : आदरणीय सभापति जी , देश के कुछ भागों में बाढ़ की स्थिति बहुत अधिक चिंताजनक है... (**व्यवधान**) ..

प्रो . राम देव भंडारी : *

श्री सभापति : रिकॉर्ड पर नहीं जा रहा है , क्यों बोल रहे हैं आप ... (**व्यवधान**) यह तो बहुत ही गलत हैं ... (**व्यवधान**) मेरी बात सुनिए । माननीय सदस्य , यह तो बहुत ही गलत पंरपरा

*Not recorded.

होगी कि मेरे सामने आप कुछ कर जाएं और फिर हाऊस में मामला उठाएं । यह उचित नहीं है । इस तरह से मैं भी एलाऊ नहीं करूंगा ... (**व्यवधान**) आप बैठ जाइए ... (**व्यवधान**) मैंने स्पैशल मैंशन ले लिए हैं । आप मेरा कहना मानेंगे तो आपको टाइम मिलेगा ... (**व्यवधान**) मेरे कहने से आप बैठ जाइए ... (**व्यवधान**)

श्री एस. एस. अहलुवालिया : ये बात रहे हैं कि इसकी प्राथमिकता क्या हैं ... (**व्यवधान**)

सभापति श्रीः अहलुवालिया जी , उनको बोलने दो । प्रसाद जी , बोलिए ... (**व्यवधान**)

श्री रविं शंकर प्रसाद : सभापति महोदय , देश के विभिन्न भागों में बाढ़ की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है । बिहार के 10 जिले बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हैं और लभगग 20 लाख लोग बहुत परेशानी में हैं । ट्रेनों का आवागमन बंद हो गया है और काफी लोग मुजफ्फरपुर – दरभंगा हाइवे पर शरण लिए हुए हैं जहां भुखमरी की स्थिति पैदा हो रही है । असम में भी बाढ़ के कारण बहुत ही कठिनाई हो रही , विशेष रूप से बरातवैली के आसपास और कामरूप इलाके में बाढ़ की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है । हर वर्ष बाढ़ का मद्दा उठता है । बिहार के बारे में नाईथ प्लान में 52 किलोमीटर बांध बनाना था . वह बन नहीं पाया । मैं इससे संबंधित , आदरणीय मंत्री जी से अनुरोध करूंगा , सरकार से अनुरोध करूंगा कि यह गंभीर विषय है । बाढ़ की विभाषिका के कारण बिहार परेशान है , आसाम परेशान है , मैं सरकार से अनुरोध करूंगा ।

श्री सभापति : मंत्री जी , बाढ़ के मामले पर कब चर्चा हो सकती है ?... (**व्यवधान**) ...

संसदीय कार्य मंत्री तथा शहरी विकास मंत्री (**श्री गुलाम नबी आजाद**) **:** सर , इस वीक में चर्चा हो सकती है । ... (**व्यवधान**) ..

श्री सभापति : इस पर इस वीक में चर्चा हो सकती है । ... (**व्यवधान**)..

श्री रवि शंकर प्रसार : सभापति जी , नेपाल से भारी तादाद में पानी छोड़ा गया है जिसके कारण भी परेशानी हो रही है । अतः यह बड़ा गंभीर विषय है । इससे बिहार के लोग परेशान हैं , आसाम के लोग परेशान हैं , अरूणाचल के लोग परेशान हैं ....।

श्री सभापति : इस पर इसी वीक में चर्चा हो जायेगी ।

श्री रवि शंकर प्रसाद : सभापति महोदय , मैं अनुरोध करूंगा कि मंत्री जी इस विषय पर स्टेटमेंट दें । ... (**व्यवधान**) ...

प्रो . राम देव भडारी (**बिहार**) : सभापति महोदय , माननीय सदस्य इस विषय को पहली बार उठा रहे हैं और हम इसको लगातर उठाते रहे हैं । ... (**व्यवधान**) ...

श्री सभापति : आप लगातर इसको उठाते रहे हैं ,यह बात ठीक है । ... (**व्यवधान**) .... अब आप दूसरों को उठाने दीजिए ।... (**व्यवधान**) ... वे आपका समर्थन कर रहे हैं । ...(**व्यवधान**) ... नेक्सट, नेक्स्ट । .... (**व्यवधान**)...

श्री रवि शंकर प्रसाद : सभापति महोदय , अभी तक वहां कोई केन्द्रीय दल नहीं गया है । .... (**व्यवधान**) ... यह बहुत गंभीर विषय है । मै आग्रह करूंगा कि सरकार बिहार में केन्द्रीय दल भेजे, वहां क्या कठिनाई है , इस पर विचार करे ।

SPECIAL MENTIONS

Problems of jute growers in the country

SHRI MANOJ BHATTACHARYA (West Bengal): Sir, my Special Mention is concerning the serious distress that has been confronted with by the jute growers, particularly in the Eastern region.

The United Progressive Alliance Government should be complemented for planning to effect upward revision of the Minimum Support Price of all Kharif crops. There has been no enhancement of the MSP of these crops during 2003, however unfortunate it may be. This year the Commission for Agricultural Costs and Prices has already recommended an average increase of 3.5 per cent for paddy, pulses, soyabean, sunflower, etc. This will certainly spell a sense of relief in the lives of millions of poor farming community who are, in fact, languishing in a horrifying morass of tremendous crisis. The cost of production has got increased manifold due to the systematic removal of subsidies on fertilizers, electricity, etc. The formidable change in the attitude of the new Government is quite satisfying.

But, I am rather distressed to note that there has been no enhancement in the MSP for jute. Millions of peasants, particularly in West Bengal, Assam, Bihar and Orissa, are jute growers and are already in the vortex of insurmountable crisis due to lackadaisical approach of the Jute Corporation of India and also the undue preference in use of synthetic bags for carrying foodgrains, sugar, etc. There must be a complete reversal of the situation and, to begin with, the MSP of jute must be significantly enhanced and the JCI must be directed to act in time with regard to procurement of jute from the real growers. Usually, these poor people are forced to distress sale in the absence of proper and timely initiative of the JCI.

A few millions of poor people can thus be saved from an ominous disaster of the present. Thank you.

DR. ALLADI P. RAJKUMAR (Andhra Pradesh): Sir, I associate myself with my colleague because Andhra Pradesh produces substantial quantity of jute. So, the MSP for jute should be enhanced so as to help the farmers.